

किंतु इस प्रक्रिया में स्वयं उस पदार्थ में कोई परिवर्तन नहीं आता है. उत्प्रेरण।

उत्प्रेरण वि. (तत्.) रसा. उत्प्रेरक द्वारा किसी रासायनिक या जैव रासायनिक अभिक्रिया को त्वरित करने की क्रिया।

उत्प्रेरणा स्त्री. (तत्.) कार्य जिसके फलस्वरूप कोई कुछ करने को उद्यत हो जाए।
inducement

उत्प्लावकता स्त्री. (तत्.) भौ.रसा. 1. ठोस पदार्थ के तैरते रहने का गुण, तरणशीलता 2. द्रव पदार्थ का वह गुण जो किसी वस्तु को द्रव की सतह पर तैरते हुए रखता है 3. किसी पिंड को पूर्णतः या अंशतः किसी तरल में डुबोए जाने पर उसके भार में हुई आभासी कमी।

उत्फुल्ल वि. (तत्.) 1. विकसित, फूला हुआ 2. प्रफुल्ल-चित्त (व्यक्ति)।

उत्फुल्लता स्त्री. (तत्.) प्रसन्नता से फूलना, प्रसन्नचित्तता प्रयो. रानी का चेहरा खिला नहीं। सहज उत्फुल्लता लौटी नहीं -चारु चंद्रलेख; ह.प्र.द्विवेदी।

उत्फुल्लन पुं. (तत्.) 1. फूलना, खिलना, विकसित होना, अतिप्रसन्न होना। 2. रसा. वायु में खुला रखे होने पर क्रिस्टलों से क्रिस्टलन जल का हास हो जाने के फलस्वरूप क्रिस्टलों का क्रिस्टलीय चूर्ण में परिवर्तित हो जाना।

उत्संग पुं. (तत्.) 1. गोद, अंक 2. संपर्क, योग 3. शिखर, चोटी 4. भवन की छत 5. बगल, पार्श्व 6. नितंब के ऊपर का भाग।

उत्संगित वि. (तत्.) 1. गोद में लिया हुआ 2. आलिंगित 3. संपर्क में लाया हुआ।

उत्संस्करण वि. (तत्.) भिन्न संस्कार या संस्कृति ग्रहण करना, अपने वर्ग से भिन्न किसी वर्ग (जाति, कबीला आदि) की संस्कृति को ग्रहण करना, पर-संस्कृति-ग्रहण।

उत्स पु. (तत्.) 1. स्रोत, सोता 2. झरना 3. जलयुक्त स्थान 4. मूल स्रोत।

उत्सन्न वि. (तत्.) 1. उच्छिन्न, उखाड़ा हुआ, नष्ट 2. पूरा किया हुआ 3. ऊपर उठा हुआ 4. क्षीण 5. अभिशप्त।

उत्सर्ग पुं. (तत्.) 1. किसी उद्देश्य से त्याग 2. बलिदान, बंधन से मोचन 3. मुक्त करना जैसे- वृषोत्सर्ग 4. दान 5. अपान-वायु या मल का त्याग 6. समापन (अध्ययन आदि का) 7. साधारण नियम (अर्थात् अपवाद का उल्टा)।

उत्सर्गी वि. (तत्.) उत्सर्ग करने वाला।

उत्सर्जन वि. (तत्.) 1. दे. उत्सर्ग। 2. वि. (तत्.) जीव. जीव कोशिका से वर्ज्य पदार्थों का बाहर निकाल दिया जाना जैसे- श्वसन से कार्बन-डाईऑक्साइड और मूत्र से नाइट्रोजन का बाहर निकलना 3. भौ. किसी पृष्ठ से प्रकाश या विकिरण उत्पन्न होकर या इलेक्ट्रान का मुक्त होकर बाहर निकलना।

उत्सर्जन तंत्र वि. (तत्.) प्राणि. अंगों, अवयवों का समूह जो चयापचय के दौरान बने अवांछित तत्वों को बाहर निकालने में तालमेल करता है।

उत्सर्जित वि. (तत्.) छोड़ा हुआ, त्यागा हुआ, उत्सृष्ट।

उत्सर्प पुं. (तत्.) 1. ऊपर चढ़ना 2. उठना 3. फैलना।

उत्सर्पण पुं. (तत्.) दे. उत्सर्प।

उत्सर्पिणी स्त्री. (तत्.) (जैन) मत के अनुसार काल का एक विभाग जिसमें आयु, बल आदि बढ़ता रहता है।

उत्सर्पी वि. (तत्.) 1. ऊपर उठने या चढ़ने वाला 2. अत्युत्तम।

उत्सव पुं. (तत्.) 1. मंगल-कार्य 2. आनंदजनक कार्य 3. प्रसन्नता 4. समारोह, जलसा 5. त्योहार।

उत्साद पुं. (तत्.) विध्वंस, नाश, क्षय।

उत्सादक वि. (तत्.) विध्वंसकारी, नाशकारी।

उत्सादन पुं. (तत्.) 1. किसी विद्यमान प्रथा, परंपरा, संस्था आदि का समाप्त किया जाना 2. विध्वंस करना, नाश करना 3. बाधा डालना।

उत्सादित वि. (तत्.) 1. जिसका उत्सादन किया गया हो 2. साफ किया हुआ 3. उठाया हुआ।